आरोप : धीमी गति से चल रहा गंज मंडी कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य

नवभारत न्यूज

बैतूल, 17 जनवरी. बैतूल गंज मंडी में अधूरे कॉम्प्लेक्स के निर्माण को लेकर नगरपालिका द्वारा पुन-टेंडर कर काम तो शुरू करा दिया गया है, लेकिन काम की रफ्तार काफी धीमी है।

विस्थापित दुकानदारों का बढ़ा और इंतजार

काम्प्लेक्स मकें बनना है 400 दुकानें

आरोप है कि यहां निर्माण के नाम पर केवल लीपापोती की जा रही है। जिससे दुकानदारों में नाराजगी भी बनी हुई है। दुकानदारों का आरोप है कि जो दीवारे खड़ी की जा रही है, उनकी तराई तक नहीं हो रही है। जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल सवाल खड़े हो रहे है। गंज में बहुमंजिला काम्प्लेक्स का निर्माण करीब 11 साल पहले शुरू हुआ था। लेकिन ड्राईंग-डिजाइन बदलने से इस काम में देरी हुई। जानकार बताते है कि काम्प्लेक्स की बार-बार ड्राइंग डिजाइन बदलने से पुराने ठेकेदार ने बीच में ही काम छोड़ दिया था। जिसके बाद नगरपालिका ने पुन: टैंडर कर कॉम्प्लेक्स को पूरा करने की शुरूआत की, लेकिन इस काम में गुणवत्ता को परे रखकर काम किये जाने का आरोप लग रहा है। जानकारों का मानना है कि बिना उचित तराई के खड़ी की गई दीवारें भविष्य में कमजोर साबित हो सकती है। बता दे कि अधूरे काम्प्लेक्स को पूरा करने नगरपालिका को दोबारा टेंडर करना पड़ा, जिससे इस पूरे प्रोजेक्ट की लागत बढकर करीब 17 करोड़ रुपए पहुंच गई। इस लागत में पहले चरण में पुराने अधूरे काम्प्लेक्स का निर्माण पूर्ण करना और दूसरे चरण में नए काम्प्लेक्स, पार्किंग ओर अन्य सुविधाओं का निर्माण शामिल है। बावजूद इसके आठ महीने बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ सका है।

काम्प्लेक्स में बनना है 400 दुकानें : गंज मंडी काम्प्लेक्स में करीब 400 दुकानों का निर्माण प्रस्तावित है, लेकिन अभी तक 100 दुकानों का निर्माण भी निर्माण पूरा नहीं हो सका है। बार-बार ड्राईंग-और डिजाइन में किए गए बदलावों ने निर्माण कार्य को प्रभावित किया है। पुराने टेंडर को निरस्त कर नए सिरे से टेंडर करने के बावजूद हालात नहीं सुधरे हैं। नतीजतन, विस्थापित दकानदारों को अब भी लबे इंतजार के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कुल मिलाकर, गंज मंडी काम्प्लेक्स का निर्माण नगरपालिका की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। अगर समय रहते गुणवत्ता, प्राथमिकता और गति पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह परियोजना भी अधूरी योजनाओं की सूची में शामिल हो सकती है।

> विस्थापितों को जो दुकानें आवंटित होना है, उनमें शटर और टाइल्स लगाने का काम शेष है। शटर बनाने का काम चल रहा है। जल्द ही दुकानें पूर्ण कर ली जाएंगी। हम निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग लगातार कर रहे हैं।
>
> – **नगेन्द्र वागद्रे,** सब इंजीनियर नपा बैतूल।

टीन शेड और तारपोलिन में लग रहीं दुकानें

जब से गंज मंडी कॉम्पलेक्स का निर्माण शुरू हुआ है तभी से गंज का बाजार बुरी तरह से अव्यवस्थित हो गया है। कॉम्पलेक्स में जिन व्यापारियों ने दुकानें ली हैं, वे फिलहाल अव्यवस्थित रूप से लंबे समय से व्यापार करने को मजबूर हैं, कोई तारपोलिन लगाकर तो कोई टीन की टपरी में अपनी दुकान संचालित कर रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि अब लंबा समय बीत जाने के बाद व्यापारियों के भी सब्र का बांध फूट रहा है। व्यापारियों का कहना है कि कभी लागत बढ़ रही है, तो कभी ड्राइंग डिजाइन बदली जा रही है। नपा द्वारा व्यापारियों की सुविधाओं को पूरी तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है, इसलिए गंज के व्यापारी जनप्रतिनिधियों से भी कई बार मिलकर मंडी कॉम्पलेक्स निर्माण पूरा करने की गुहार लगा चुके हैं।

दुकानों का आवंटन किया, हैंडओवर नहीं

तीन साल पहले 65 दुकानदारों ने काम्प्लेक्स में दुकान पाने नगरपालिका में रुपए जमा किए थे। लॉटरी से दुकानों का आवंटन भी कर दिया था, लेकिन आज तक दुकानों का हैंडओवर नहीं हो सका है। काम्प्लेक्स में आधी दुकाने तो बना दी गईहै, लेकिन वे भी अधूरी हालत में है। ऐसे में जिन दुकानदारों ने राशि जमा कर उम्मीद लगाई थी, उन्हें अब भी अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। री-टेंडर के बाद जब निर्माण कार्य दोबारा शुरू हुआ तो, उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें जल्द ही दुकानें मिल जाएंगी, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत है। काम की रफ्तार काफी धीमी बताई जा रही है, जिससे परियोजना के समय पर पूर्ण होने पर संदेह और गहरा गया है।

एक नजर में

माचना नदी पुल का भूमिपूजन आज

बैतूल। शहरवासियों की वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी होने जा रही है। बैतूल-खेड़ी मार्ग पर करबला घाट स्थित माचना नदी पर प्रस्तावित पुल का भूमिपूजन रविवार 18 जनवरी को किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। एसडीओ ब्रिज ने बताया कि पुल की प्रशासकीय लागत 18.43 करोड़ रुपए तथा तकनीकी लागत 10.80 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। 100 मीटर लंबा और 18.50 मीटर चौड़ा यह पुल 4 लेन का होगा। निर्माण कार्य को 18 माह की अवधि में पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

सन्नी अलबेला के महाकाल सरकार भजन पर झूमे श्रोता

सारनी। श्रीश्री 1008 बाबा मठारदेव के मेले में आनंद उत्सव 2026 के तहत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत शुक्रवार रात सारेगमपा एवं इंडियल आईडियल फेम वैशाली रैकवार एवं उज्जैन के भजन गायक सन्नी अलबेला के जागरण का आयोजन किया गया। रंगारंग लाइटिंग, डिजीटल साउंड इफैक्ट्स और आकर्षक झांकियों के बीच कार्यक्रम देर रात तक चला। बाबा के मेले में आनंद उत्सव 2026 के तहत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। गुरुवार रात 8 बजे से जागरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, उपाध्यक्ष जगदीश पवार, विधायक प्रतिनिधि सुधा चंद्रा, पार्षद भीम बहादुर थापा, प्रवीण सोनी, किरण झरबड़े, ज्योति नागले, आनंद

पिंटिश नागले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी.के. मेश्राम, गोलू राजपूत, दीपक पटेल, रंजीत सिंह समेत अन्य अतिथियों ने पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुंबई की वैशाली रैकवार और उज्जैन के सन्नी अलबेला ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए। जबलपुर के कलाकार पुनित की झांकियों ने लोगों का मन मोहा। श्रीराम आगमन और सिंदूर वरण की झांकी को सभी ने सराहा। अयिगिरी, नंदिनी... पर प्रस्तुत झांकी लोगों को खूब पसंद आई।

वैशाली ने बल्ले बल्ले मां तेरी प्रस्तुत किया : मुंबई की गायिका वैशाली रैकवार ने गणेश वंदना से शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने नसीबा तेरा जाग जाएगा, ऐसा डमरू बजाया भोले नाथ ने सारा कैलाश पर्वत, मीठे रस से भरी, मंगल भवन अमंगल हारी, जैसे एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए।

सन्नी अलबेला के तेरे झमरू की धुन सुनकर पर खूब झुमाया: उज्जैन के भजन गायक सन्नी अलबेला ने तेरे डमरू की धुन सनके, तेरे दरबार आया हूं.... भजन से शुरूआत की।

कल इंडियन आईडियल फेम मयूरी साहा देगी प्रस्तुति : बाबा मठारदेव के मेले में रविवार 18 जनवरी को इंडियन आईडियल फेम कलाकार मयूरी साहा का लाइव शो शाम 7 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रमों में नगर पालिका सारनी द्वारा इस वर्ष आकर्षक ट्रैस लाइटिंग, सराउंड साउंड सिस्टम एवं रंगारंग आतिशबाजी की व्यवस्था की है। नए ऑडिटोरियम शैली मंच के समक्ष दर्शकों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था भी की गई है।

आ गया है वो दिन जब निवेश बनेगा आमदनी और सपने बनेंगे हकीकत

बैतूल। छिंदवाड़ा में पहली बार ऐसा रियल एस्टेट और निवेश आयोजन होने जा रहा है, जिसने पूरे शहर के निवेशकों, व्यापारियों और आम लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। सूद इंफ्रा द्वारा आयोजित सूद वन अवर्ड एण्ड ड्रीम रील स्टेट इंवेस्टमेंट इवेंट न केवल एक अवॉर्ड सेरेमनी है, बल्कि यह छिंदवाड़ा के लोगों के लिए स्मार्ट निवेश और नियमित आय की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस भव्य आयोजन का उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि रियल एस्टेट अब केवल जमीन या दुकान खरीदने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह हर महीने किराया देने वाला आय का मजबूत स्त्रोत बन चुका है। खास बात यह है कि इस इवेंट में पहली बार 3.75 लाख से अपनी दुकान खरीदने और उससे नियमित आमदनी पाने के विकल्प प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सूद वन अवार्ड उन निवेशकों, ग्राहकों, चैनल पार्टनर्स और कर्मचारियों को सम्मानित करने का मंच है, जिन्होंने सूद इंफ्रा के साथ जुड़कर स्मार्ट फैसले लिए और अपने भविष्य को सुरक्षित किया। साथ ही, यह इवेंट नए निवेशकों के लिए यह समझने का अवसर भी है कि कैसे बिना किसी मैनेजमेंट टेंशन के प्रॉपर्टी से हर महीने किराया कमाया जा सकता है। इवेंट की प्रमुख विशेषताएँ यह है कि सिर्फ 3.75 लाख से दुकान खरीदने का अवसर मिल रहा है। हर महीने सुनिश्चित रीटल इनकम मॉडल की जानकारी, निवेश पर बेहतर रिटर्न एण्ड रीवर्ड स्ट्रक्चर, छिंदवाड़ा के पहले बिज़नेस हब से जुड़ा अवसर सूद इंफ्रा द्वारा विकसित छिंदवाड़ा का पहला कमर्शियल बिज़नेस हब इस आयोजन का मुख्य आकर्षण है। यहाँ दुकान, शोरूम और अन्य कमर्शियल स्पेस इस तरह डिजाइन किए गए हैं कि निवेशक को लंबे समय तक स्थिर और सुरक्षित रिटर्न मिल सके। यह इसलिए भी खास है कि आज के समय में जहाँ लोग सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी की तलाश में हैं, वहीं सूद वन सूद वन अवर्ड एण्ड ड्रीम रील स्टेट इंवेस्टमेंट इवेंट उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करता है, जहाँ निवेश, भरोसा और भविष्य तीनों एक साथ मिलते हैं। जो भी निवेशक, व्यापारी या आम नागरिक इस अवसर का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे इवेंट पास के लिए संपर्क कर सकते है।